हिंदी दैनिक खबर

केशववाणी

हर पल, हमारी खबर

रविवार 10 मई 2026 बर्ष 02 अंक 123 पृष्ठ 4 www.keshavtv24.com Email:keshavtvbihar@gmail.com

अनमोल वचन

जीवन में कभी भी संघर्ष से डरना नहीं चाहिए, क्योंकि संघर्ष ही जीवन का सार है, इसके बिना कोई भी सफलता संभव नहीं है।

बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने नालंदा विश्वविद्यालय के नव–निर्मित परिसर का किया भ्रमण, आधुनिक सुविधाओं एवं नेट जीरो मॉडल की सराहना

केशववाणी शंकर कुमार सिन्हा की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। राजगीर स्थित विश्व प्रसिद्ध नालंदा विश्वविद्यालय के नव–निर्मित भव्य परिसर का आज बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने विस्तृत भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, आधुनिक आधारभूत संरचना तथा पर्यावरण अनुकूल 'नेट जीरो' (छमज ́मतव) मॉडल का अवलोकन किया। इस अवसर पर नालंदा के जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं शासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय आगमन पर मुख्य सचिव का स्वागत विश्वविद्यालय के वरिष्ठ संकाय सदस्यों द्वारा किया गया। इसके उपरांत संकाय सदस्यों ने एक विस्तृत प्रेजेंटेशन के माध्यम से उन्हें विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक गौरव, वर्तमान शैक्षणिक संरचना एवं वैश्विक महत्व की जानकारी दी। उन्हें बताया गया कि विश्वविद्यालय में वर्तमान में ऐतिहासिक अध्ययन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण अध्ययन तथा बौद्ध अध्ययन जैसे विभि़न्न अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्कूल संचालित किए जा रहे हैं। भ्रमण के दौरान मुख्य सचिव ने विश्वविद्यालय के अत्याधुनिक पुस्तकालय, सुषमा स्वराज ऑडिटोरियम, योग परिसर एवं शैक्षणिक ब्लॉकों का निरीक्षण किया। उन्होंने प्राचीन नालंदा की स्थापत्य शैली एवं आधुनिक तकनीक के अद्भुत समन्वय की सराहना की। मुख्य सचिव ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थ.ापित 6.5 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र, बायोगैस प्लांट एवं जल संचयन प्रणाली में विशेष रुचि दिखाई। उन्होंने कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय का 'नेट जीरो' कार्बन फुटप्रिंट मॉडल बिहार के अन्य शैक्षणिक एवं संस्थागत परिसरों के लिए प्रेरणास्रोत बन सकता है।निरीक्षण के उपरांत अधिकारियों एवं संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने कहा, "नालंदा केवल बिहार ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए ज्ञान और शिक्षा का प्रतीक रहा है। इस नव–निर्मित परिसर को देखना अत्यंत सुखद अनुभव है, जो अपनी प्राचीन विरासत को आधुनिक नवाचार के साथ संजोए हुए है। राज्य सरकार विश्वविद्यालय के विकास एवं इसे अंतरराष्ट्रीय ज्ञान केंद्र के रूप में पुनर्स्थापित करने हेतु हर संभव सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।" भ्रमण के दौरान नालंदा के जिलाधिकारी ने मुख्य सचिव को विश्वविद्यालय परिसर के आसपास चल रहे विकास कार्यों एवं आधारभूत संरचना परियोजनाओं की भी जानकारी दी। अंत में मुख्य सचिव ने विश्वविद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आने वाले समय में यह संस्थान दक्षिण–पूर्व एशिया सहित विश्व के अन्य देशों के साथ भारत के शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

दलदलीचक में 36 घंटे का अखंड कीर्तन हुआ संपन्न

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत (नालंदा)। हरनौत प्रखंड के बराह पंचायत के दलदली चक गांव स्थित देवी स्थान मंदिर परिसर में चल रहे 36 घंटे का अखंड कीर्तन शनिवार को हवन पूजा व वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न हो गया।वहीं बराह पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि कमलेश कुमार उर्फ पिंटु यादव ने बराह पंचायत वासियों के सुख, शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि अखंड कीर्तन, हवन, पूजा से गांव में सुख–शांति आती है। उन्होंने बताया कि 36 घंटे का अखंड बृहस्पतिवार से शुरू हुआ था। अखंड कीर्तन में हरे राम हरे कृष्ण का जाप हुआ। इसमें प्रखंड के दलदल चक ,बराह , कल्याण बिगहा, बलवापर , टांडापर आदि गांवों के भक्त मंडली शामिल हुए। अखंड कीर्तन समाप्ति के बाद प्रसाद के रूप में खीर–पूड़ी का वितरण किया गया।इस दौरान मुन्ना तांती, अंजय महतो,अजय शर्मा,दिलिप महतो, ब्रह्मदेव यादव, सत्येंद्र पासवान समेत सैकड़ो लोग मौजूद थे।

मगध विश्वविद्यालय द्वारा गया के डुब्बा (भुरहा) स्थल पर ऐतिहासिक पुरातात्त्विक उत्खनन कार्य का शुभारम्भ

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट गया। मगध विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय एवं एशियाई अध्ययन विभाग द्वारा गया जिले के गुरुआ थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित प्राचीन पुरातात्त्विक स्थल डुब्बा (भुरहा) में व्यापक वैज्ञानिक उत्खनन कार्य का औपचारिक शुभारम्भ किया गया। यह उत्खनन मगध विश्वविद्यालय के इतिहास का पहला वैज्ञानिक पुरातात्त्विक उत्खनन है, जिसने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक यात्रा में एक नया ऐतिहासिक अध्याय जोड़ते हुए बिहार में पुरातात्त्विक अनुसंधान के नए युग का सूत्रपात किया है। डुब्बा (भुरहा) स्थल की असाधारण पुरातात्त्विक संभावनाओं के कारण यह उत्खनन विद्वानों, इतिहासकारों, पुरातत्त्वविदों एवं विद्यार्थियों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। लगभग एक किलोमीटर से अधिक विस्तृत क्षेत्र में फैले इस स्थल पर विशाल ईंट–निर्मित संरचनात्मक अवशेष, बिखरी हुई मूर्तियाँ, प्राचीन जल–संरचनाएँ, आवासीय परिसर तथा विकसित बसावट के प्रमाण प्राप्त हुए हैं। प्रारम्भिक अध्ययनों से संकेत मिलता है कि यह स्थल प्राचीन काल में बौद्ध विहारों, मंदिरों एवं हिन्दू धार्मिक प्रतिष्ठानों से युक्त एक महत्त्वपूर्ण धार्मिक एवं सांस्कृतिक केंद्र रहा होगा। यह स्थल स्थानीय रूप से भुरहा नामक प्राचीन जलधारा के निकट स्थित है, जहाँ सुव्यवस्थित बसावट एवं उन्नत जल–प्रबंधन प्रणाली के प्रमाण प्राप्त होते हैं। पुरातत्त्वविदों के अनुसार यहाँ प्राप्त संरचनात्मक अवशेष एवं मूर्तिकला प्राचीन मगध के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक जीवन पर महत्वपूर्ण प्रकाश डाल सकते हैं। स्थल पर प्राप्त अधिकांश मूर्तियाँ बौद्ध स्वरूप की हैं, जो इसकी धार्मिक महत्ता को और अधिक प्रमाणित करती हैं। डुब्बा (भुरहा) स्थल स्थानीय जनश्रुतियों, भगवान बुद्ध के जीवन से जुड़ी कथाओं तथा महाकाव्यीय परंपराओं से भी संबद्ध माना जाता है। विद्वानों का विश्वास है कि वैज्ञानिक उत्खनन से इन परंपराओं के ऐतिहासिक आधार को समझने में सहायता मिलेगी तथा बिहार के व्यापक बौद्ध सांस्कृतिक परिदृश्य में इस स्थल की वास्तविक भू.मिका स्पष्ट हो सकेगी। उत्खनन कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विभाग द्वारा स्थल का व्यापक पुरातात्त्विक सर्वेक्षण किया गया, जिसमें सतही अन्वेषण, एरियल फो.टोग्राफी, भूमि एवं टोपोग्राफिकल सर्वेक्षण तथा पुरावशेषों का विस्तृत प्रलेखन शामिल था। इन वैज्ञानिक अध्ययनों के आधार पर स्थल की पुरातात्त्विक महत्ता एवं संरक्षण की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए विस्तृत उत्खनन प्रस्ताव तैयार किया गया। यह प्रस्ताव 20 सितम्बर 2025 को भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण के महानिदेशक को विधिवत प्रशासनिक प्रक्रिया के माध्यम से प्रेषित किया गया। प्रस्ताव की अनुशंसा प्रो. शशि प्रताप शाही द्वारा की गई थी तथा इसे बिहार सरकार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के अधीन पुरातत्त्व निदेशालय द्वारा अग्रसारित किया गया था। इस परियोजना की शैक्षणिक एवं पुरातात्त्विक महत्ता को देखते हुए भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण द्वारा फरवरी 2026 में उत्खनन की अनुमति प्रदान की गई। भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण, नई दिल्ली ने इस उत्खनन के लिए श्री शंकर शर्मा, सहायक प्रोफेसर को निदेशक तथा डॉ. अलका मिश्रा, सहायक प्रोफेसर को सह–निदेशक के रूप में नामांकित किया है। अनुमति प्राप्त होने के उपरांत उत्खनन दल द्वारा स्थल का नियमित निरीक्षण एवं वैज्ञ.ानिक तैयारी प्रारम्भ की गई, ताकि पुरातात्त्विक परिदृश्य, बसावट के स्वरूप तथा स्थल पर बढ़ते खतरों को समझा जा सके। परियोजना से जुड़े सहायक आचार्यों ने अवैध मिट्टी कटाई, खनन एवं अतिक्रमण के कारण स्थल को हो रहे निरंतर नुकसान पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। अत्यंत महत्त्वपूर्ण होने के बावजूद यह स्थल वर्तमान में किसी भी सरकारी संरक्षण से वंचित है।शोधकर्ताओं ने डुब्बा (भुरहा) की भौगोलिक स्थिति को भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण बताया है। उनके अनुसार यह स्थल प्राचीन बौद्ध तीर्थमार्ग पर स्थित प्रतीत होता है, जो बोधगया और सारनाथ जैसे बौद्ध धर्म के दो प्रमुख तीर्थस्थलों को जोड़ता था। आसपास के क्षेत्रों में अनेक अप्रकाशित पुरातात्त्विक टीले एवं बिखरे हुए पुरावशेष प्राप्त होते हैं, जो एक विस्तृत प्राचीन धार्मिक एवं आवासीय सांस्कृतिक परिदृश्य की ओर संकेत करते हैं। यह उत्खनन एक महत्त्वपूर्ण शैक्षणिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के रूप में भी कार्य कर रहा है। यह स्थल अब एक जीवंत पुरातात्त्विक प्रयोगशाला बन चुका है, जहाँ एम.ए. एवं पीएच.डी. के विद्यार्थी उत्खनन तकनीक, प्रलेखन, सर्वेक्षण, पुरातात्त्विक फोटोग्राफी, ट्रेंच प्रबंधन, मृद्भाण्ड विश्लेषण एवं धरोहर व्याख्या का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। वर्तमान में लगभग 30 शिक्षक, शोध.ार्थी एवं विद्यार्थी डुब्बा गाँव में रहकर चुनौतीपूर्ण ग्रामीण परिस्थितियों में उत्खनन कार्य में जुटे हुए हैं। प्रो. शशि प्रताप शाही ने युवा पुरातात्त्विक दल को इस प्रकार की वैज्ञानिक गतिविधियों के लिए प्रेरित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके दूरदर्शी नेतृत्व एवं निरंतर सहयोग ने विभाग को इस ऐतिहासिक परियोजना को प्रारम्भ करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. शुशील कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। क्षेत्रीय पुरातात्त्विक अनुसंधान के प्रति उनका सतत शैक्षणिक मार्गदर्शन एवं सहयोग इस परियोजना के सफल क्रियान्वयन में अत्यंत महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है। उत्खनन कार्य के औपचारिक शुभारम्भ अवसर पर उत्खनन दल के सदस्य डॉ. चन्द्र प्रकाश, डॉ. अनूप कुमार भरद्वाज, श्री आलोक रंजन, डॉ. जन्मेजय सिंह, डॉ. विजयकांत यादव सहित शोधकर्ता एवं पीएच.डी. शोधार्थी राहुल कुमार, उत्तम कुमार, अमित कुमार, लोलिम्ब कुमार तथा सौरभ कुमार उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त नव नालंदा महाविहार एवं अन्य शैक्षणिक सं.स्थानों के शिक्षक एवं स्नातकोत्तर प्रशिक्षु छात्र–छात्राएँ भी उत्खनन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से सहभागिता कर रहे हैं।उत्खनन दल का विश्वास है कि डुब्बा (भुरहा) से प्राप्त निष्कर्ष प्राचीन बसावट प्रणाली, बौद्ध धर्म के विस्तार, धार्मिक अंत:क्रिया तथा मगध क्षेत्र की तीर्थ परंपराओं को समझने में अत्यंत सहायक सिद्ध होंगे। साथ ही यह परियोजना उपेक्षित पुरातात्त्विक धरोहरों के संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहा.सिक एवं प्रेरणादायक पहल के रूप में स्थापित होगी।

टोल बचाने की सनक बनी जानलेवा– रहूई के पतासंग स्थित एनएच कट पर रॉन्ग साइड दौड़ रहे भारी वाहन, बड़े हादसे का खतरा

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट रहूइ(नालंदा)। रहूई प्रखंड स्थित पैठना टोल प्लाजा के समीप बख्तियारपुर–रजौली मुख्य मार्ग पर कानून और सड़क सुरक्षा नियमों की खुलेआम धज्जियाँ उड़ाई जा रही हैं। टोल प्लाजा से करीब आधा किला. `मीटर पहले पतासंग बाजार के समीप ग्रामीणों की सुविधा के लिए बनाए गए सड़क कट का अब भारी वाहन चालक खुलेआम दुरुपयोग कर रहे हैं। ट्रक, हाईवा और ट्रेलर चालक इस कट को शॉर्टकट बनाकर रॉन्ग साइड से फर्राटा भर रहे हैं, जिससे हर समय बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार पटना की ओर जाने वाले भारी वाहन चालक मुख्य मार्ग छोड़कर अवैध रूप से इस कट से फ्लाईओवर के नीचे प्रवेश करते हैं और करीब आधा किलोमीटर तक गलत दिशा में वाहन चलाकर आगे निकल जाते हैं। टोल टैक्स बचाने की यह कोशिश अब आम लोगों की जान पर भारी पड़ रही है। सामने से आने वाले बाइक सवारों और छोटे वाहनों को अचानक भारी वाहनों का सामना करना पड़ता है, जिससे दुर्घटना का खतरा लगातार बना रहता है। कई बार वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाना पड़ता है, जिससे जान–माल की क्षति की आशंका बढ़ जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि यह कोई नई समस्या नहीं, बल्कि रोज़ का नज़ारा बन चुका है। रॉन्ग साइड से दौड़ते भारी वाहनों की वजह से कई छोटी–बड़ी दुर्घटनाएँ हो चुकी हैं। कई लोग घायल भी हुए, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि हादसे अब मानो सिस्टम के लिए सामान्य बात बन चुके हैं।सबसे गंभीर बात यह है कि यह सब कुछ खुलेआम दिनदहाड़े हो रहा है। सुबह, शाम और रात के समय सैकड़ों भारी वाहन इस अवैध रास्ते का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन उन्हें रोकने वाला कोई नहीं है। जबकि इस मार्ग पर नियमित रूप से पुलिस पेट्रोलिंग वाहन भी गुजरते हैं, इसके बावजूद कार्रवाई नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों में प्रशासन के प्रति गहरा आक्रोश है। लोगों का कहना है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो यह लापरवाही किसी बड़े जानलेवा हादसे का कारण बन सकती है।

भारतीय जनता पार्टी केवल सरकारें ही नहीं बनाती, बल्कि अपने कार्यकर्ताओं के संघर्ष और समर्पण का सम्मान भी करती है – अमरेश कुमार

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट बिहारशरीफ(नालंदा)। भारतीय जनता पार्टी के बिहारशरीफ नगर उत्तरी मंडल की मासिक बैठक का आयोजन शनिवार को बबुरबन्ना मुहल्ला स्थित सामुदायिक भवन में मंडल अध्यक्ष संदीप कुमार की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में जिला मंत्री सह मंडल प्रभारी अमरेश कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में मंडल की कार्यप्रणाली, संगठन विस्तार एवं आगामी पार्टी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला मंत्री सह मंडल प्रभारी अमरेश कुमार ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल सरकारें बनाने वाली पार्टी नहीं है, बल्कि अपने कार्यकर्ताओं के संघर्ष, समर्पण और योगदान का सम्मान करना भी जानती है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में नवनिर्वाचित भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 98 वर्षीय वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता माखनलाल सरकार के पैर छूकर आशीर्वाद लेना इस बात का प्रमाण है कि भाजपा अपने पुराने कार्यकर्ताओं और जनता के सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा मंच से जनता को दंडवत प्रणाम करना भी पार्टी की कार्यसंस्कृति और जनसम्मान की भावना को दर्शाता है। अमरेश कुमार ने कहा कि सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य करना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री के प्रेरणादायक कार्यक्रम 'मन की बात' को नियमित रूप से सुनने तथा पार्टी के प्रत्येक कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से सफल बनाने का आह्वान किया।बैठक के उपरांत कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार बनने की खुशी में झालमुड़ी बांटकर उत्सव मनाया और एक–दूसरे को बधाई दी। इस अवसर पर नगर महामंत्री मोनू कुमार, ओबीसी मोर्चा से राजकुमार, रविशंकर कुमार उर्फ बब्लू कुमार गुप्ता, सुरेन्द्र शर्मा, प्रेमदीप कुमार, अरविंद कुमार, रितेश कुमार वर्मा, विरेन्द्र चौधरी, शशिकांत सिन्हा, कमल प्रभाकर, राजदीप कुमार, विक्रम कुमार, विकास कुमार, मनोज कुमार गुप्ता सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अपने क्षेत्र के खबर भेजने या विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें
7033325120,9931609015

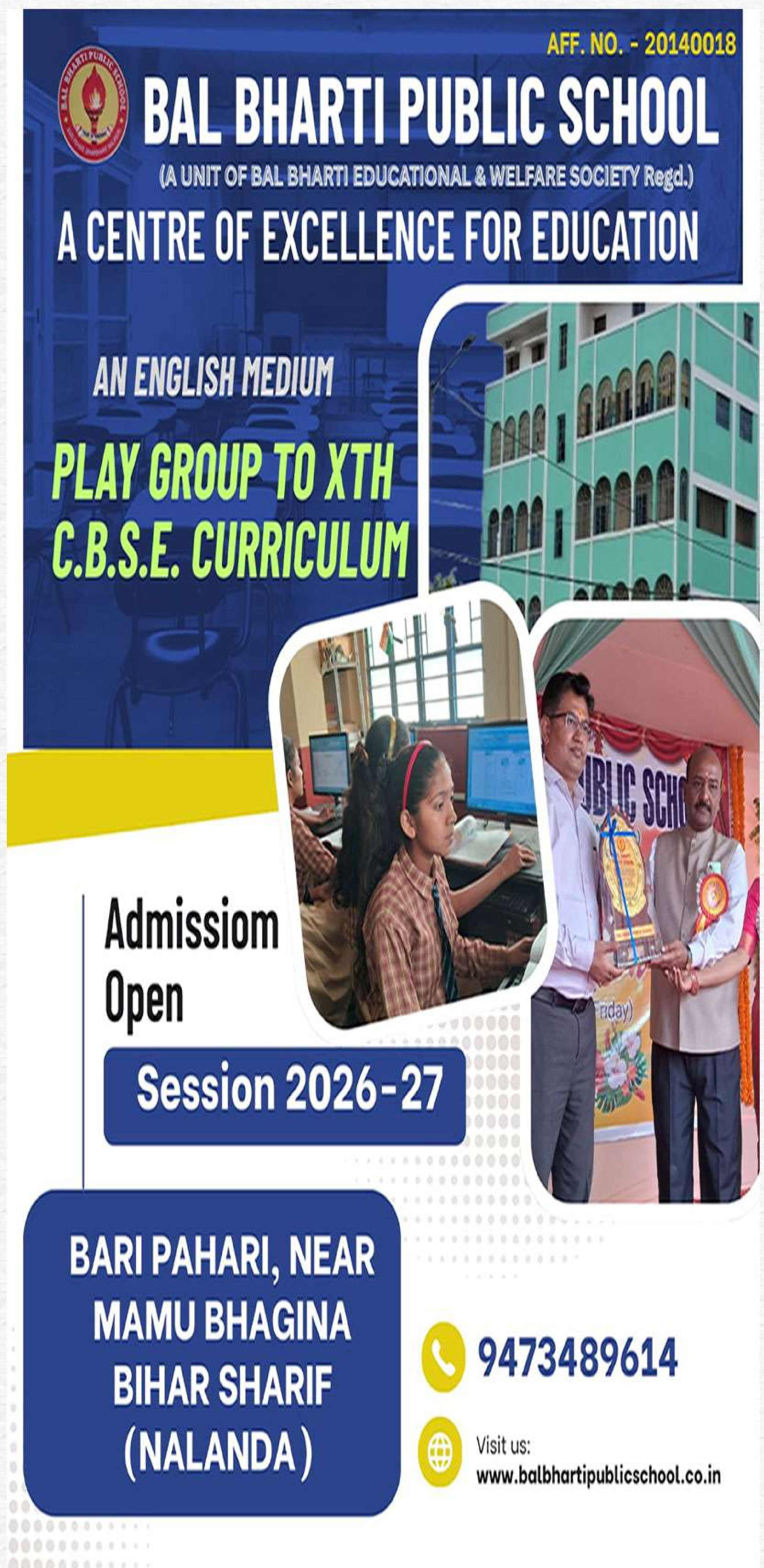

तेज आंधी, ओलावृष्टि और बारिश से बिहारशरीफ बेहाल, बिजली कड़कने से दहशत में लोग

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट बिहारशरीफ (नालंदा)। बिहारशरीफ में शनिवार की शाम मौसम ने अचानक खतरनाक रूप ले लिया। तेज आंधी, मूसलाधार बारिश और ओलावृष्टि के साथ लगातार बिजली कड़कने से पूरे शहर में अफरा–तफरी का माहौल बन गया। खराब मौसम के कारण कुछ ही देर में सड़कें वीरान हो गईं और शहर में सन्नाटा पसर गया। शाम होते–होते अचानक तेज हवाएं चलनी शुरू हो गईं, जिसके बाद बारिश के साथ ओले गिरने लगे। आसमान में लगातार चमक रही बिजली और तेज गर्जना से लोग दहशत में आ गए। कई लोग दुकानों और घरों में शरण लेने को मजबूर हो गए। बारिश और तेज हवा के कारण शहर के बाजारों में भीड़ अचानक कम हो गई। सड़क पर चल रहे वाहन चालकों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कई दोपहिया वाहन चालक रास्ते में रुककर मौसम सामान्य होने का इंतजार करते दिखे। वहीं तेज हवा के कारण कई जगहों पर पेड़ों की डालियां टूटकर सड़क पर गिर गईं, जिससे आवागमन प्रभावित हुआ।

स्थानीय लोगों के अनुसार मौसम का मिजाज अचानक बदलने से जनजीवन पूरी तरह अस्त–व्यस्त हो गया। आम दिनों में व्यस्त रहने वाले प्रमुख चौक–चौराहों और सड़कों पर भी शाम के समय सन्नाटा देखने को मिला। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों तक तेज हवा और बारिश की संभावना जताते हुए लोगों से सतर्क रहने और खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों से दूर रहने की अपील की है।

डस्टबिन रखने के विवाद में बुजुर्ग की हत्या, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। (नालंदा)। राजगीर थाना क्षेत्र के नौन्ही गांव में शुक्रवार की देर शाम कूड़ेदान (डस्टबिन) रखने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। घटना में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक की पहचान रामाधीन प्रसाद (70 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। मृतक के नाती मंदीप कुमार ने बताया कि विवाद की शुरुआत डस्टबिन की जगह बदलने को लेकर हुई थी। पड़ोसी पप्पू यादव का आरोप था कि डस्टबिन को उनके स्थान से हटाकर दूसरी जगह रख दिया गया है, जबकि उनके परिवार का कहना था कि सफाईकर्मियों द्वारा डस्टबिन वहां रखा गया था। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई। परिजनों के अनुसार रात करीब 11 बजे पड़ोसी पक्ष के कुछ लोग शराब के नशे में पहुंचे और गाली–गलौज करने लगे। शोर सुनकर जब रामाधीन प्रसाद घर से बाहर निकले, तो उन पर ईंट से हमला कर दिया गया। ईंट सिर में लगने से वे गंभीर रूप से घायल हो गए और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा–तफरी मच गई। सूचना मिलते ही राजगीर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ मॉडल अस्पताल भेज दिया। थानाध्यक्ष रमन कुमार ने बताया कि परिजनों के फर्द बयान के आधार पर तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने छापेमारी कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य दो आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

प्रखंड कार्यालय स्थित अंचल कार्यालय में भूमि से संबंधित निपटारे को लेकर लगाया गया जनता दरबार, कुल 4 मामले को ऑन द सपोर्ट किया गया निष्पादन

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत (नालंदा)। भूमि से संबंधित विवाद निपटारे को लेकर हरनौत प्रखंड कार्यालय स्थित अंचल कार्यालय में शनिवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में हरनौत प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायत से दर्जनों लोग पहुंचे। जनता दरबार में बड़ी संख्या में पहुंचे फरियादियों ने अपनी समस्याओं को लेकर आवेदन उत्सव पर और तुरंत कार्रवाई की मांग की। अंचला अधिकारी में एक–एक मामले की गंभीरता से सुनवाई करते हुए संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए। अंचला. धिकारी पूजा कुमारी ने बताया कि प्रत्येक शनिवार की तरह इस शनिवार भी जमीन विवाद, दाखिल खारिज, एवं राजस्व से जुड़े विभिन्न मामले की निष्पादन को लेकर जनता दरबार लगाया गया ।जिसमें कुल 9 मामला सामने आया। जिसमें मात्र चार मामले को निष्पादन किया गया। कई मामलों में दोनों पक्षों को बुलाकर आपसी सहमति से समाधान निकालने का प्रयास भी किया गया।

ग्रामीणों ने जमीन संबंधित पुराने लंबित मामलों को जल्द निपटारे की मांग उठाई। वहीं प्रशासन की ओर से लोगों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन प्रस्तुत करने की सलाह दी गई ताकि मामले का तेजी से निष्पादन किया जा सके। सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर स्थानीय थाना के थाना अध्यक्ष मौजूद थे।

नालंदा कोर्ट में राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ 17 हजार से अधिक मामलों के निपटारे का लक्ष्य

केशववाणी शंकर कुमार सिन्हा की रिपोर्ट बिहारशरीफ(नालंदा)। नालंदा व्यवहार न्यायालय परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन पटना हाईकोर्ट के न्यायाधीश सह नालंदा के इंस्पेक्टिव जज न्यायमूर्ति राजीव रंजन राय ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में न्यायिक पदाधिकारी, अधिवक्ता एवं आम लोग उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति राजीव रंजन राय ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत उन लोगों के लिए बेहद उपयोगी मंच है, जो अपने विवादों का त्वरित, सरल और स्थायी समाधान चाहते हैं। उन्होंने कहा कि लोक अदालत आपसी समझौते के आधार पर बिना किसी हार–जीत की भावना के मामलों का निष्पादन करती है, जिससे समाज में सौहार्द और भाईचारा कायम रहता है। उन्होंने बताया कि इस बार ट्रैफिक चालानों के निपटारे के लिए विशेष काउंटर बनाए गए हैं, ताकि आम लोगों को सुविधा मिल सके और मामलों का शीघ्र निष्पादन हो सके। इस दौरान गुर. विंदर सिंह मल्होत्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बार राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 17,076 मामलों को सूचीबद्ध किया

गया है। इनमें विभिन्न बैंकों से जुड़े 10,500 मामले तथा न्यायालयों में लंबित 6,576 मामले शामिल हैं। राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल संचालन के लिए व्यवहार न्यायालय परिसर के विभिन्न भवनों में कुल 14 बेंचों का गठन किया गया है। प्रत्येक बेंच पर न्यायिक पदाधिकारी एवं अधिवक्ता सदस्य के रूप में तैनात किए गए हैं। इसके अलावा पारा विधिक स्वयंसेवकों एवं न्यायालय कर्मियों की भी तैनाती की गई है, ताकि पक्षकारों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राजेश कुमार गौरव सहित कई वरिष्ठ न्यायिक पदाधिकारी मौजूद रहे। उद्घाटन सत्र के बाद विभिन्न बेंचों पर मामलों की सुनवाई और समझौता प्रक्रिया शुरू हुई। इस दौरान बिजली विभाग, बैंक ऋण, माप–तौल, वन विभाग, मोटर वाहन अधिनियम तथा वैवाहिक विवादों जैसे सुलहनीय मामलों का आपसी सहमति से निपटारा किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला।

जमीन विवाद में अधेड़ की हत्या का आरोप, पांच दिनों बाद पईन से मिला शव; परिवार में मचा कोहराम

केशववाणी शंकर कुमार सिन्हा की रिपोर्ट मानपुर(नालंदा)। नालंदा जिले के मानपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत तेतरावां गांव स्थित एक पईन से शनिवार को पुलिस ने पांच दिनों से लापता एक अधेड़ व्यक्ति का शव बरामद किया। शव मिलने की खबर फैलते ही इलाके में सनसनी फैल गई और मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मृतक की पहचान अस्थावां थाना क्षेत्र के अस्थावां बस्ती निवासी 45 वर्षीय सोनू राम के रूप में की गई है। घटना के बाद मृतक के परिजनों में चीख–पुकार मच गई और पूरे गांव का माहौल गमगीन हो गया। परिजनों ने गांव के ही एक दबंग व्यक्ति पर जमीन हड़पने और लाखों रुपये के लेन–देन के विवाद में गला दबाकर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। मृतक के मौसेरे भाई सबलू कुमार ने बताया कि गांव के मुकेश यादव नामक व्यक्ति ने सोनू राम की करीब 13 कट्ठा जमीन पर कब्जा कर लिया था। आरोप है कि पहले 8 कट्ठा जमीन अपने नाम लिखवा ली गई, लेकिन उसका भुगतान नहीं किया गया। जब सोनू राम लगातार पैसे की मांग करने लगे तो आरोपी ने बाकी 5 कट्ठा जमीन पर भी जबरन कब्जा कर खेती शुरू कर दी। जमीन के एवज में कुल 13 लाख रुपये बकाया बताए जा रहे हैं। परिजनों के अनुसार इस विवाद को लेकर गांव में 24 अप्रैल को पंचायती भी हुई थी। पंचायत के दौरान दोनों पक्षों के बीच जमकर कहासुनी और हाथापाई हुई थी। ग्रामीणों के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत कराया गया था, लेकिन उसके बाद से तनाव लगातार बना हुआ था। बताया जा रहा है कि पंचायती के दो–तीन दिन बाद तक सोनू राम गांव में दिखाई दिए, लेकिन पिछले चार से पांच दिनों से वे अचानक लापता हो गए थे। परिवार वाले लगातार उनकी तलाश कर रहे थे, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल रहा था। शनिवार को मानपुर थाना पुलिस को सूचना मिली कि तेतरावां गांव के पईन में एक शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। शव के पास से मिले आधार कार्ड के आधार पर मृतक की पहचान सोनू राम के रूप में हुई। पहचान होते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और शव देखते ही रोने–बिलखने लगे।परिजनों का आरोप है कि सोनू राम की बेरहमी से हत्या की गई है। उनका कहना है कि शव पर कई गंभीर चोटों के निशान मिले हैं।एक हाथ टूटा हुआ प्रतीत हो रहा था, सिर पर गहरे जख्म थे और गला दबाने के भी

निशान दिखाई दे रहे थे। परिजनों ने आशंका जताई कि पहले सोनू राम के साथ मारपीट की गई और बाद में उनकी हत्या कर शव को पईन में फेंक दिया गया ताकि घटना को छिपाया जा सके। ग्रामीणों के अनुसार मृतक बेहद गरीब परिवार से थे और मेहनत–मजदूरी कर अपने परिवार का पालन–पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी हैं। बताया जा रहा है कि पिछले महीने 25 अप्रैल को ही उनके बेटे की शादी हुई थी। शादी की खुशियां अभी पूरी तरह खत्म भी नहीं हुई थीं कि परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। घटना के बाद घर में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है और सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। पुलिस जमीन विवाद, पंचायती में हुए झगड़े और मृतक के गायब होने के पूरे घटनाक्रम को जोड़कर जांच में जुटी हुई है। वहीं, गांव में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए पुलिस सतर्कता बरत रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।